बांके बिहारी तेरे नैना कजरारे

बांके बिहारी तेरे नैना कजरारे,
नज़र ना लग जाए, ओये ओये ओये ।

मोर का मुकुट शीश पे शोभा पा रहा ।
मुखड़े को देख के चाँद भी लज्ञा रहा ।
अधरों से छलके हैं रस की फुआरें ॥

तीखी कतारें, दोनों नैनो में कजरा ।
बाल हैं तिहारे जैसे सावन के बदरा ।
गालों पे छाए कारे कारे घुंघराले ॥

पतली कमर तेरी लचके कमाल की ।
वारि वारि जाऊं तेरी मस्तानी चल की ।
करती पायलिया तेरी मीठी झंकारें ॥

रमण बचाऊं तोहे सब की नज़र से ।
आजा छिपालूं तोहे नैनो के घर से ।
सुन मेरे प्यारे इस दिल की पुकारें ॥

स्वर : कृष्ण दास भूटानी

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/222/title/banke-bihari-tere-naina-kajraare

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |